बुनियादी साक्षरता

सीखने के सिद्धातों

की

संक्षिप्त जानकारी

1अप्रेल 2021

लेखन कार्य
राकेश गुप्ता
बूढ़ा, मन्दसौर.

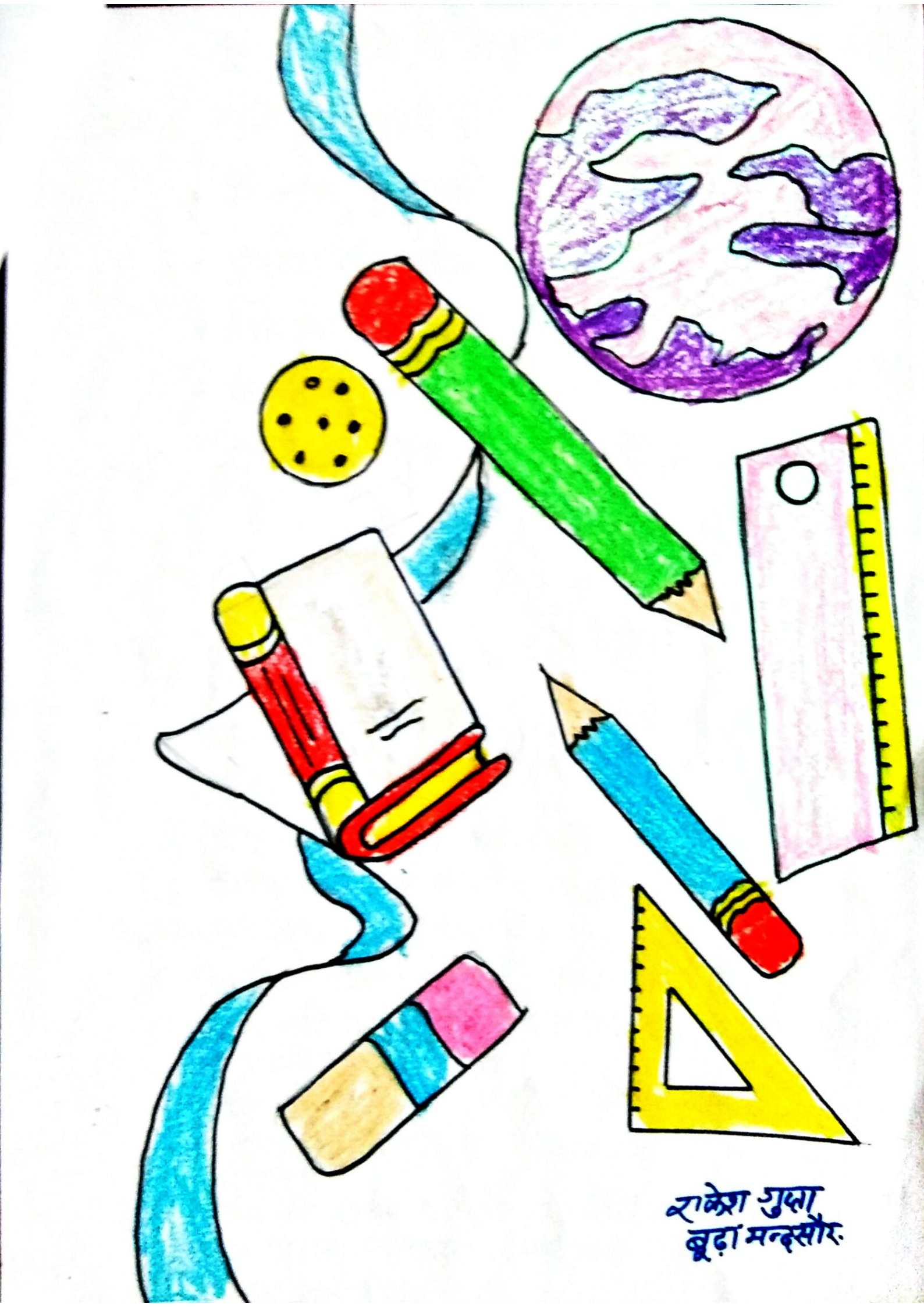

राकेश गुप्ता
बूढ़ा मन्दसौर

1. सीखने के सिद्धान्तों की संक्षिप्त जानकारी

प्रश्न-1 मैंने इस माड्यूल से क्या नया सीखा ?

- मैं करूं, हम करें, तुम करो।
- प्रेरणा की महत्वपूर्ण भूमिका।
- सीखना ज्ञान के बुनियादी ढाँचे में परिवर्तन
- बच्चों की कक्षा में सक्रिय भागीदारी
- उपयुक्त शिक्षण विधियाँ

प्रश्न-2 इसको मैं अपनी शाला में ऐसे लागू करूंगा?

- अपने पढ़ाने के पैटर्न में यह पैटर्न जोड़ूगां और बेहतर परिणाम दिखाऊंगा।
- प्रेरणा की भूमिका बच्चों को अधिक से अधिक संवाद करने का मौका दूंगा और उनके साथ गुणवत्तापूर्ण चर्चा करूंगा।
- किसी भी विषय वस्तु को सीखाने में एक या दो तरीके नहीं अपितु 10 से 12 तरीके खुद करके सीखने के प्रदान करूंगा।
- बच्चों की सक्रिय भागीदारी के लिए रोचक गतिविधियां कार्य योजना, समूह में सीखा कर सक्रिय भागीदारी बढ़ाऊंगा।
- बच्चों को सरल एवं रोचक तरीके से भयमुक्त एवं आनन्दमयी वातावरण में सीखाऊंगा।

राकेश गुप्ता बूढ़ा मन्दसौर

सीखने के सिद्धांतों की संक्षिप्त जानकारी

यह कोर्स बच्चों के भाषा सीखने संबंधित विषयों पर आधारित है। ये सभी विषय (themes) एक दूसरे के साथ आपस में जुड़े हुए हैं।-

बेहतर सीखने और समझने के लिए श्रृंखला को 6 भागों में बांटा गया है।-

1. सीखने के सिद्धांतों की संक्षिप्त जानकारी
2. साक्षरता के सिद्धांत
3. मौखिक भाषा विकास-1
4. मौखिक भाषा विकास-2
5. पढ़ने के कौशल का विकास
6. पढ़कर समझना व संबंधित रणनीतियां

राकेश गुप्ता भूड़ा. मन्दसौर

1- सीखना क्या है?

- सीखना एक सामाजिक प्रक्रिया है।
- सीखने में प्रेरणा की भूमिका
- सीखने में मस्तिष्क विज्ञान परिपेक्ष्य
- बच्चों की कक्षा में सक्रिय भागीदारी

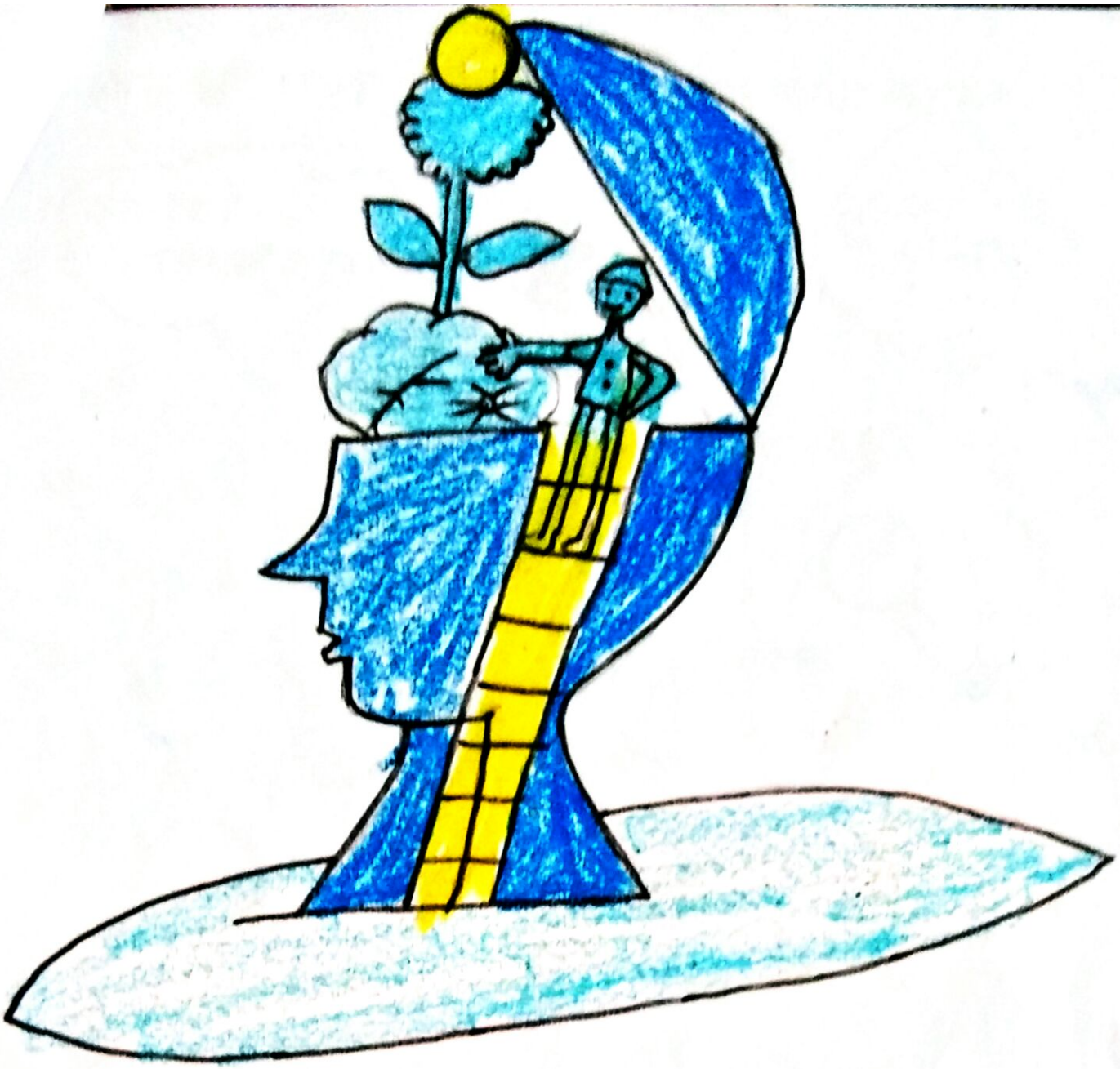

राकेश गुप्ता झूंडा, मन्दसौर.

सीखना किसे कहते है?

(अ) शांत छात्र (ब) गिनती याद न होना

(स) विज्ञान का पाठ याद न होना

(द) खेल के नियम याद रखना

(इ) क्रिकेट खेलते समय रनों की गिनती

(ई) पेड़, पौधे, जीव-जन्तु, कीड़े-मकोड़े

बच्चे अपने पूर्व ज्ञान का अनुभव और पूर्व ज्ञान को भी साथ लाते हैं जो आगे चलकर उनके सीखने का आधार बनते हैं। जिस विचार धारा ने इन बातों को सीखना माना है/सीखने का लक्षण माना है इसमें एक महत्वपूर्ण

-भाग छूट गया जिसे हम मानसिक क्रिया कह सकते हैं।

सीखने वाले के अपने अनुभव कैसे हैं? या उसका पूर्वज्ञान कितना है?

राकेश गुप्ता
बूदा मन्दसौर

राकेश गुप्ता बूंदी मन्दसौर

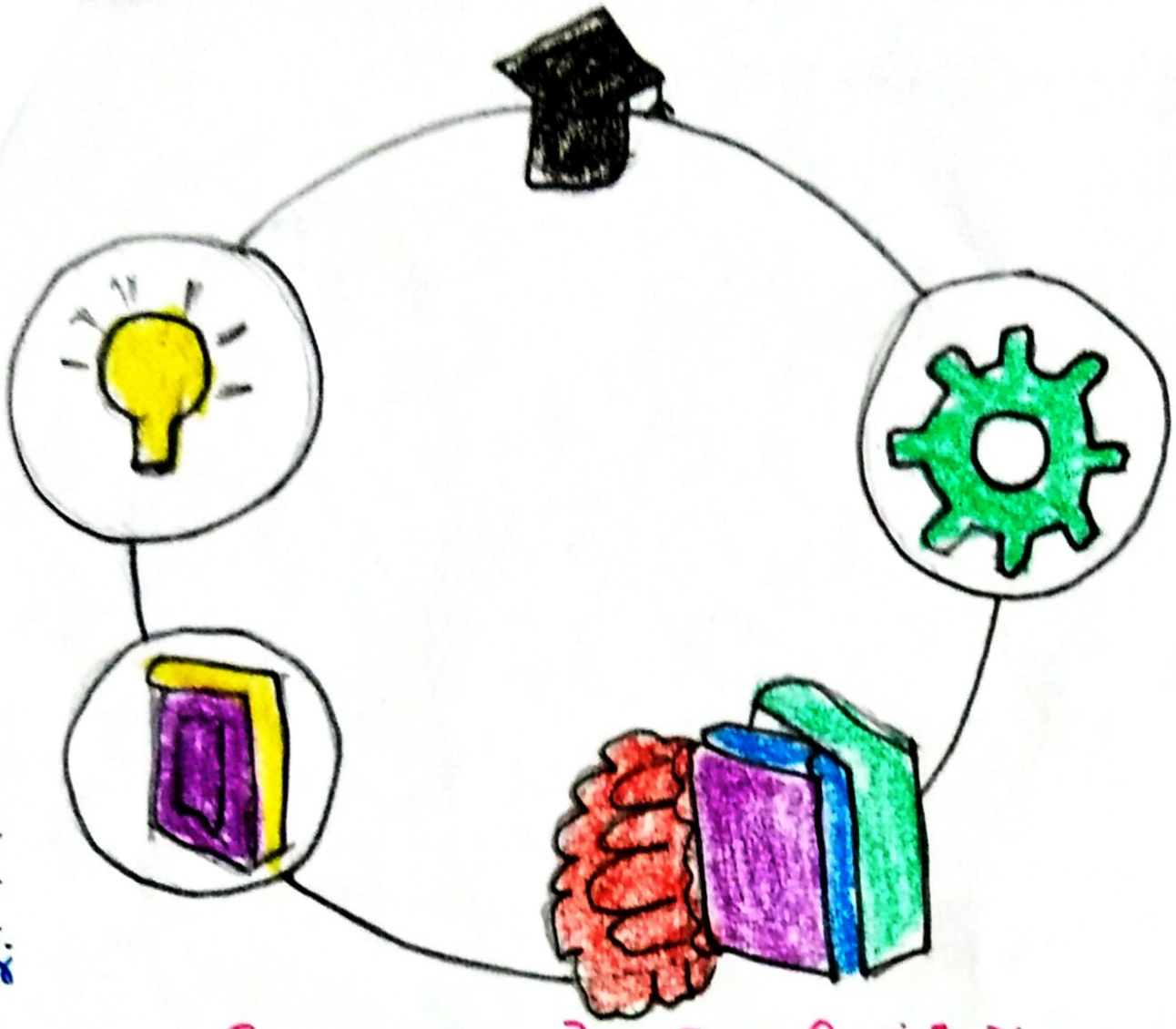

सीखना ज्ञान के बुनियादी ढाँचे में बदलाव को कहते हैं।

- आगे की और जटिल संक्रियाओं की तरफ अपना ध्यान केन्द्रित करना।
- विभिन्न सूचनाओं में अंतर-संबंध स्थापित करना, ताकि वो रोजमर्रा के जीवन में उपयोगी हो।
- संज्ञानात्मक विकास सबसे अच्छे तरीके से सामाजिक पृष्ठभूमि में ही विकसित होता है।

उदा०

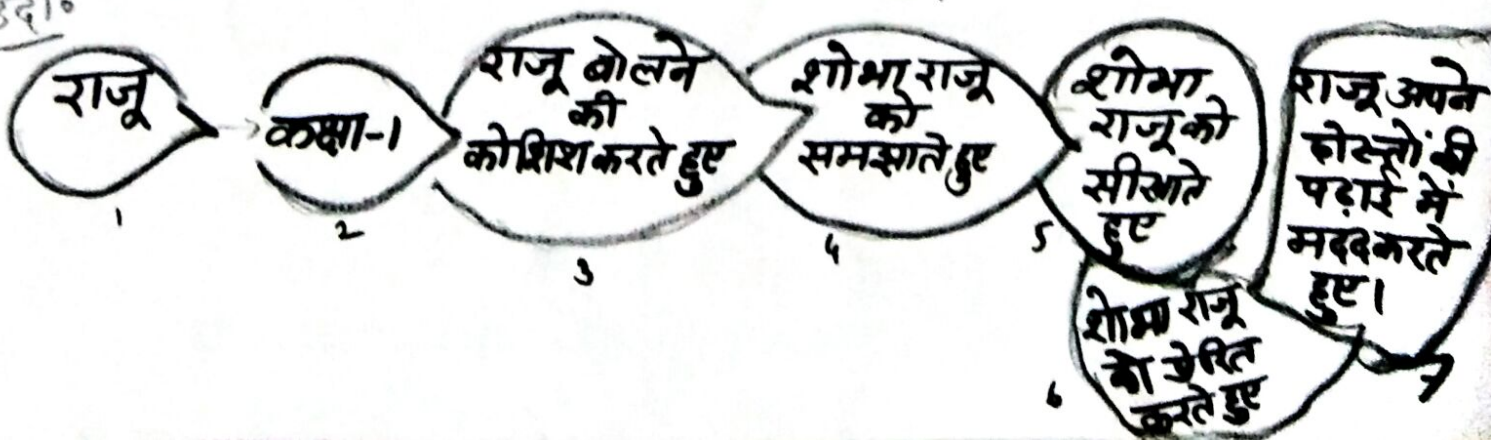

सीखना एक सामाजिक प्रक्रिया है।

राकेश गुप्ता बूंदा, मन्दसौर.

मैं करूं, हम करें, तुम करो तरीके को शामिल करना।

- बच्चों के प्रश्नों पर ध्यान देते हुए एकसाथ उन पर विस्तार से चर्चा करना।
- बच्चों द्वारा किये पठन, लेखन, एवं अन्य गतिविधियों पर उनके साथ विस्तार से चर्चा करना।
- बच्चों को समूह में कार्य करने के अवसर देना

स्कैफोल्डिंग - सीखने के दौरान दी जाने वाली मदद। यह तकनीकी शब्द है जिसका उपयोग मकानों के निर्माण प्रक्रिया में उपयोग किया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में स्कैफोल्डिंग शब्द का प्रयोग लेव वायगोत्स्की ने किया था।

शिक्षा के क्षेत्र में स्कैफ़ोल्डिंग उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें किसी नई अवधारणा अथवा कौशल को सीखने में बच्चों को मदद दी जाती है।

उदा०

1. **शिक्षक द्वारा आदर्श वाचन**

हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, और सटीक उच्चारण एवं धाराप्रवाह के साथ पाठ को पढ़ना

2. **शिक्षक एवं बच्चों का साथ-साथ पढ़ना**

बच्चों का ध्यान कठिन शब्दों पर, उच्चारण के सही तरीके पर आकर्षित करना।

3. **शिक्षक के मार्गदर्शन में बच्चों द्वारा छोटे-समूह में या जोड़ों में पढ़ा जाना**

- बच्चों द्वारा छोटे समूहों में या जोड़ों में पठन.
- शिक्षक द्वारा बच्चों के कार्य का अवलोकन.
- नियमित रूप से बच्चों की मदद.

राकेश गुप्ता बड़ा मन्दसौर.

1. किसी कौशल पर कार्य करने की शुरुआत में शिक्षक की जिम्मेदारी सबसे ज़्यादा होती है।
2. धीरे-धीरे बच्चों की जिम्मेदारी बढ़ती है।
3. आखरी में बच्चे स्वतंत्र रूप से किसी कौशल पर कार्य कर पाने में सक्षम हो जाते हैं।

Gradual Release of Responsibility – (GRR) का प्रभावी ढंग से कार्य

मैं करूँ (शिक्षक)
(I DO)

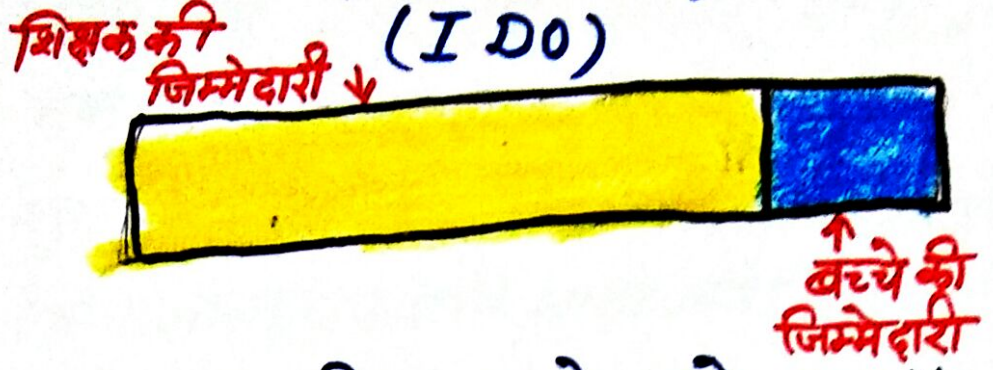

तुम मिल कर करो (बच्चे आपस में)
(You Do, Together)

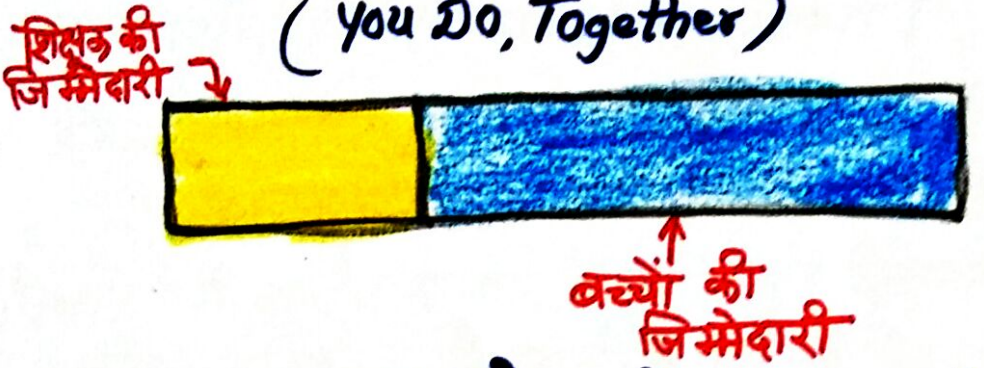

तुम खुद करो (बच्चे स्वतंत्र रूप से)
(You Do, Independently)

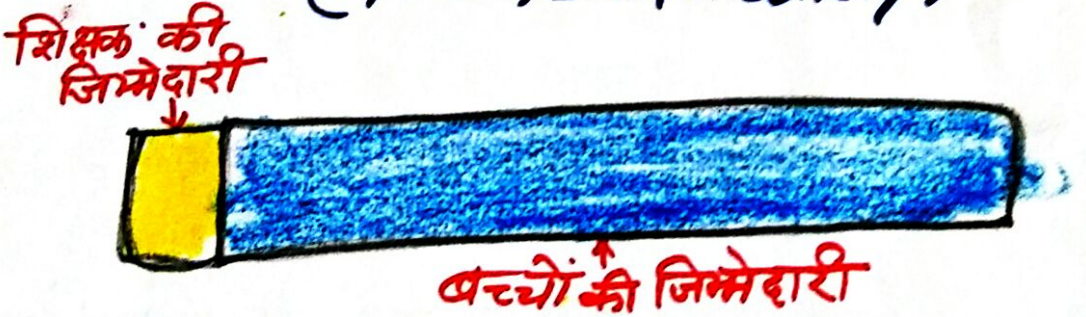

राकेश गुप्ता बूढ़ा, मन्दसौर.

- GRR का क्रियान्वयन कक्षा में सुनियोजित तरीके से किया जाता है जो शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है।
- प्रत्येक विषय एवं गतिविधि में स्कैफ़ोल्डिंग रणनीति का उपयोग अलग-अलग तरीके से किया जाता है।
- यह रणनीति सभी कक्षाओं में कारगर सिद्ध होती है किन्तु आरम्भिक कक्षाओं में इसकी जरूरत सबसे अधिक होती है।
- स्कैफ़ोल्डिंग के अन्तर्गत दी जाने वाली मदद सिखाए जाने वाले कौशल की जटिलता एवं स्तर के अनुसार होती है।

- बच्चों को मदद कुछ सप्ताहों से लेकर कुछ महीनों तक कार्य किया जाता है।
- शुरुआत में एक से अधिक बार आदर्श प्रस्तुतीकरण किया जाना उपयोगी माना जाता है।
- बच्चों को अभ्यास के पर्याप्त अवसर शिक्षक के मार्गदर्शन में एवं स्वतंत्र रूप से भी।

(1.) हमारा संज्ञानात्मक विकास सबसे अच्छे तरीके से सामाजिक पृष्ठभूमि में ही विकसित होता है।

(2.) बच्चे परिवार व समाज में रहते हुए, देखकर, सुनकर व चीजों को खुद करके अपनी समझ को विकसित करते है।

(3.) बच्चे स्वयं बहुत कुछ सीखते है लेकिन बहुत से कौशल ऐसे होते है जिनको सीखने के लिए बड़ों या कौशल में निपुण व्यक्ति की सहायता की आवश्यकता होती है।

(4.) सीखने सीखाने की प्रक्रिया में "मैं करूँ, हम करें, तुम करो" तरीका बहुत प्रभावशाली होता है।

राकेश गुप्ता कुदा, मन्दसौर

सीखने में प्रेरणा की भूमिका

बच्चे नकारात्मक की तुलना में सकारात्मक दृष्टिकोण पर ध्यान दे रहे हों।

बच्चों की छोटी सफलताओं को पहचानना और उसके बारे में चर्चा करना.

रमेश गुप्ता बूंदी मन्दसौर.

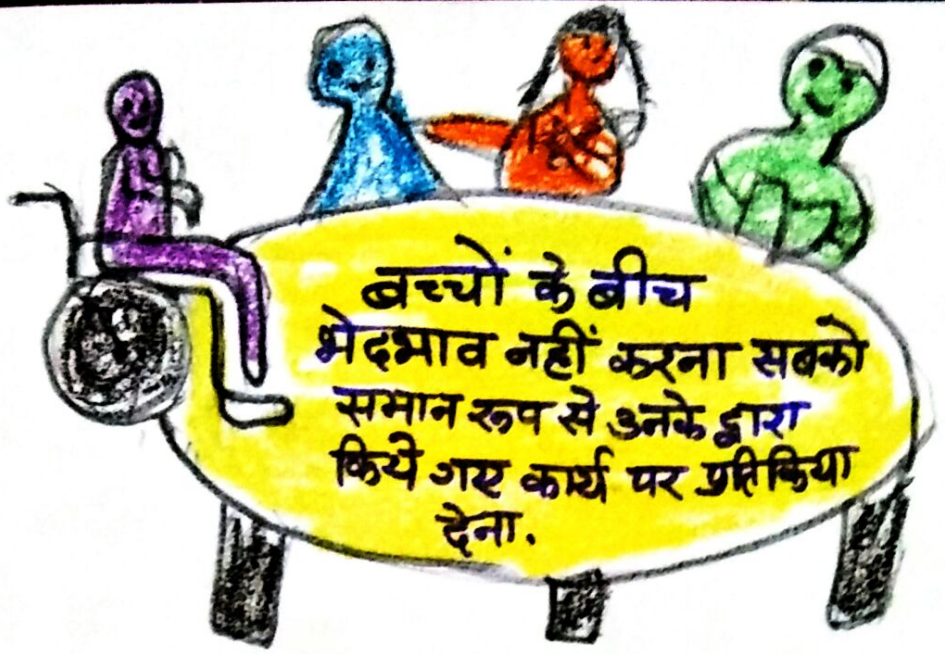

किसी भी बच्चे को मंदबुद्धि घोषित न करना
उनकी काबिलियत पर विश्वास जताना प्रेरणा पर आघात

सीखने में मस्तिष्क विज्ञान परिप्रेक्ष्य

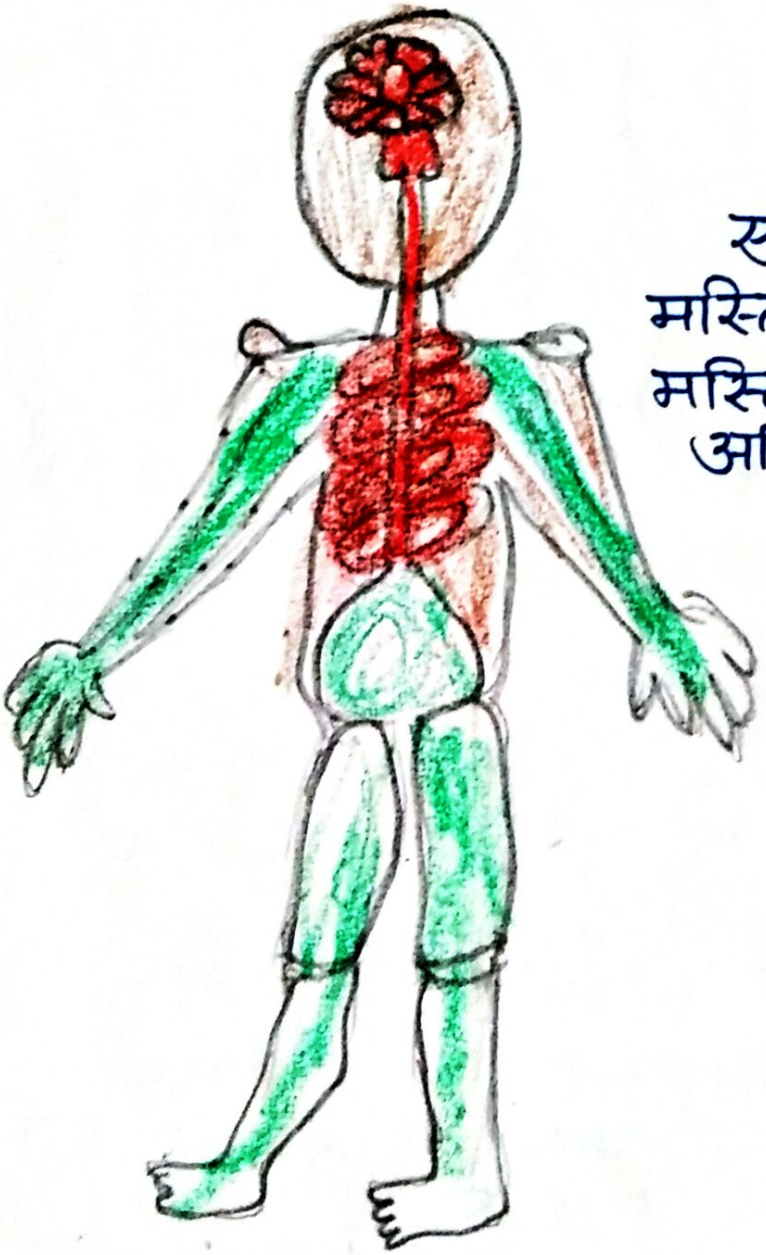

एक विकासशील मस्तिष्क वयस्क मस्तिष्क की तुलना में अधिक लचीला होता है। यह वयस्कता की तुलना में बचपन में अधिक प्लास्टिसिटि होती है।

राकेश गुप्ता छुआं,म.दसौर.

- हमारे शरीर में मस्तिष्क के जरिये अलग-अलग सूचनाओं का आदान-प्रदान होता है।
- पैदा होने के बाद से लेकर लेख पढ़ने तक
- दिमाग को कुछ नया सोचने, कुछ नया सीखने के लिए एक लचीलापन देता है।

सीखने में एक प्रगति

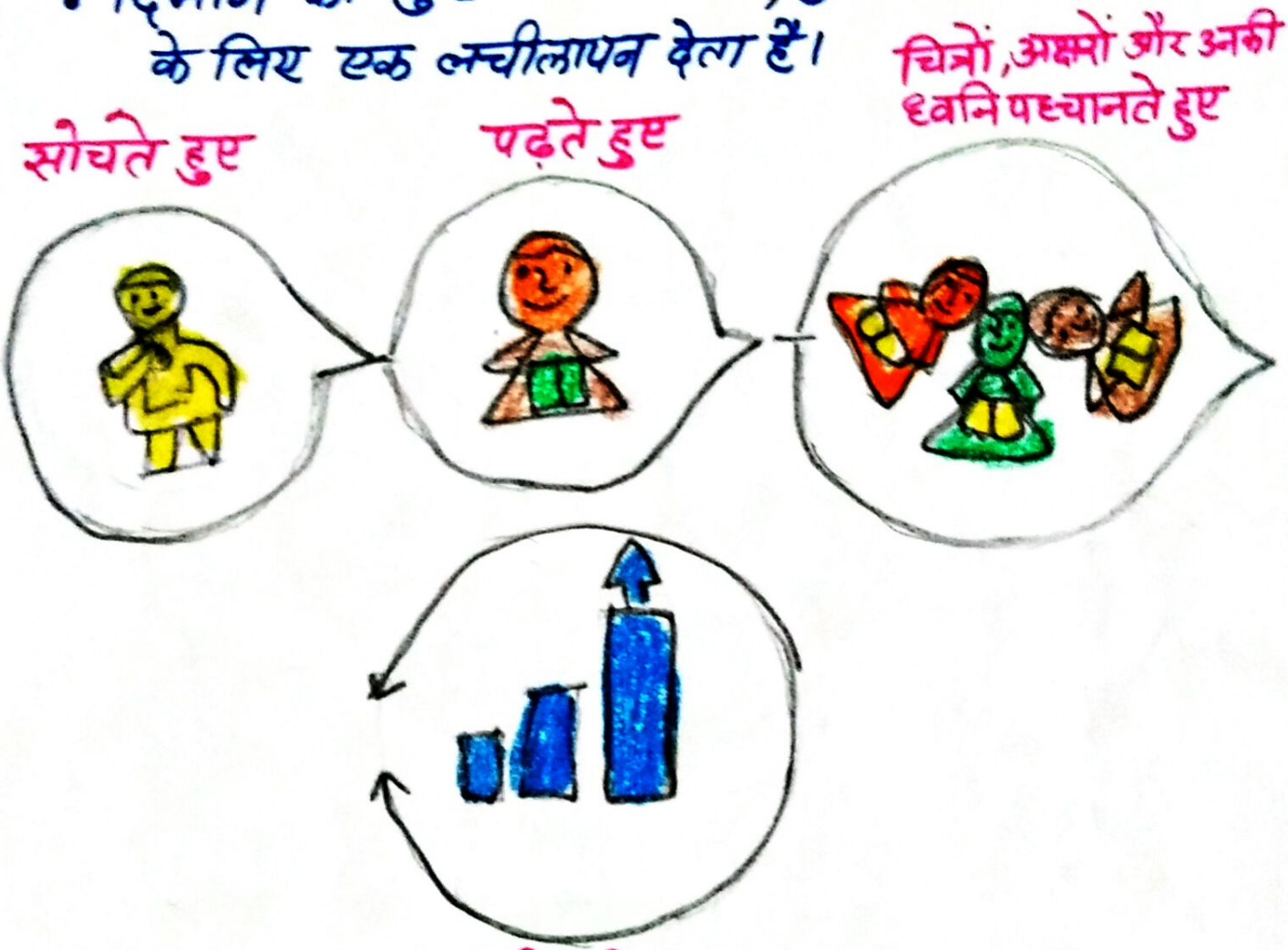

जानकारियों के बीच का अंतर संबंध तनावमुक्त वातावरण में ही सार्थक होता है।

राकेश गुप्ता भूतं, मन्दसौर.

न्यूरॉन और मेमोरी के अन्तर संबंध जीवन में व्यावहारिक रूप में सामने आती है।

राकेश गुप्ता कुः मन्दसौर.

सीखने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण पड़ाव तब आता है जब सीखने वाला व्यक्ति स्वयं के सीखने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने लगता है।

हम जितना अधिक सीखते हुए कार्य करेगें, उसके बारे में जानेगें, उसे अपनी दैनिक प्रक्रिया का हिस्सा बनाएगें वो संबंध उतना ही मजबूत होता जाएगा।

इसलिए अर्थपूर्ण लगातार अभ्यास के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

रत्नेश गुप्ता बूढ़ा, मन्दसौर

ये लाखों न्यूरोन सब आपस में जुड़े हुए हैं और लगातार जुड़ रहे है यही हमारे दिमाग को कुछ नया सोचने, कुछ नया सीखने के लिए एक लचीलापन देता है।

एक व्यक्ति के लिए कुछ भी नया सीखना किसी भी उम्र में संभव है।

बच्चों की कक्षा में सक्रिय भागीदारी

सभी बच्चे सीख सकते हैं।

- बच्चों की पृष्ठभूमि अलग
- सभी बच्चों में प्रारम्भिक साक्षरता एवं गणित के बुनियादी कौशल सीखने की क्षमता होती है।
- असाक्षर घरों से आ रहे बच्चों के पास औपचारिक रूप से पढ़ना-लिखना सीखने के पूर्व की तैयारी के मौके कम
- प्रारम्भिक कक्षाओं में बच्चों के घर की भाषा का उपयोग
- हम जितना अधिक सीखते हुए पर कार्य करेंगें उसके बारे में जानेगें, उसे अपनी दैनिक प्रक्रिया का हिस्सा बनाएगें, वो संबंध उतना ही मजबूत होता जाएगा। इसलिए लगातार अर्थपूर्ण अभ्यास के अर्थ को नकारा नहीं जा सकता है।
- हर बच्चे के मस्तिष्क की अन्दरूनी बनावट अनोखी होती है। उम्र के साथ वह अनोखापन बढ़ता जाता है।
- कक्षा में चर्चा के मौके देना
  बच्चों को प्रेरित करना

राकेश गुप्ता कुंडा, मन्दसौर

"भागीदारी एक दमदार अवधारणा है, खासतौर पर तब जब हम यह जानने की .... कोशिश कर रहे हैं कि सीखने में असफलता के क्या कारण है।"

ब्रायन कैमेरॉन

- सीखना अर्थ निर्माण की एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे अलग-2 अवधारणाओं और कौशलों की गहरी समझ बनती है।
- सीखने की प्रक्रिया में हमारे अनुभवों और ज्ञान का बहुत बड़ा हाथ होता है।
- नए अनुभवों और ज्ञान को पहले से मौजूद समझ के साथ जोड़ना सीखना कहलाता है।

प्रभावशाली अधिगम (बच्चों द्वारा सीखना) → उपयुक्त शिक्षण-विधि + बच्चे की सक्रिय भागीदारी

राकेश गुप्ता द्वारा मन्दसौर

कक्षा कालांश में सक्रिय भागीदारी- -का समय

- सीखना अर्थ निर्माण की प्रक्रिया है जिसमें अलग² अवधारणाओं की अच्छी समझ बनती है।
- सीखने की गतिविधियों में बच्चों की भागीदारी और उनका सीखना जुड़ा हुआ।
- सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की भागीदारी ही सीखने की कुंजी है।
- प्रभावी अधिगम के लिए उपयुक्त शिक्षण विधि और बच्चों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

राकेश गुप्ता बूढ़ा मन्दसौर

- कालांश निर्धारित समय मेसे नियत काम का समय 15 मिनट कम होता है।
- 30 मिनट के नियत काम के समय मेसे 10 मिनट के लगभग ही बच्चे सक्रियरूप से गतिविधियों में जुड़े रहते हैं। जो कालांश का 1/4 भाग से भी कम है।
- कक्षा में प्रत्येक बच्चे का नियत काम का समय और सीखने की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का समय भी अलग हो सकता है।

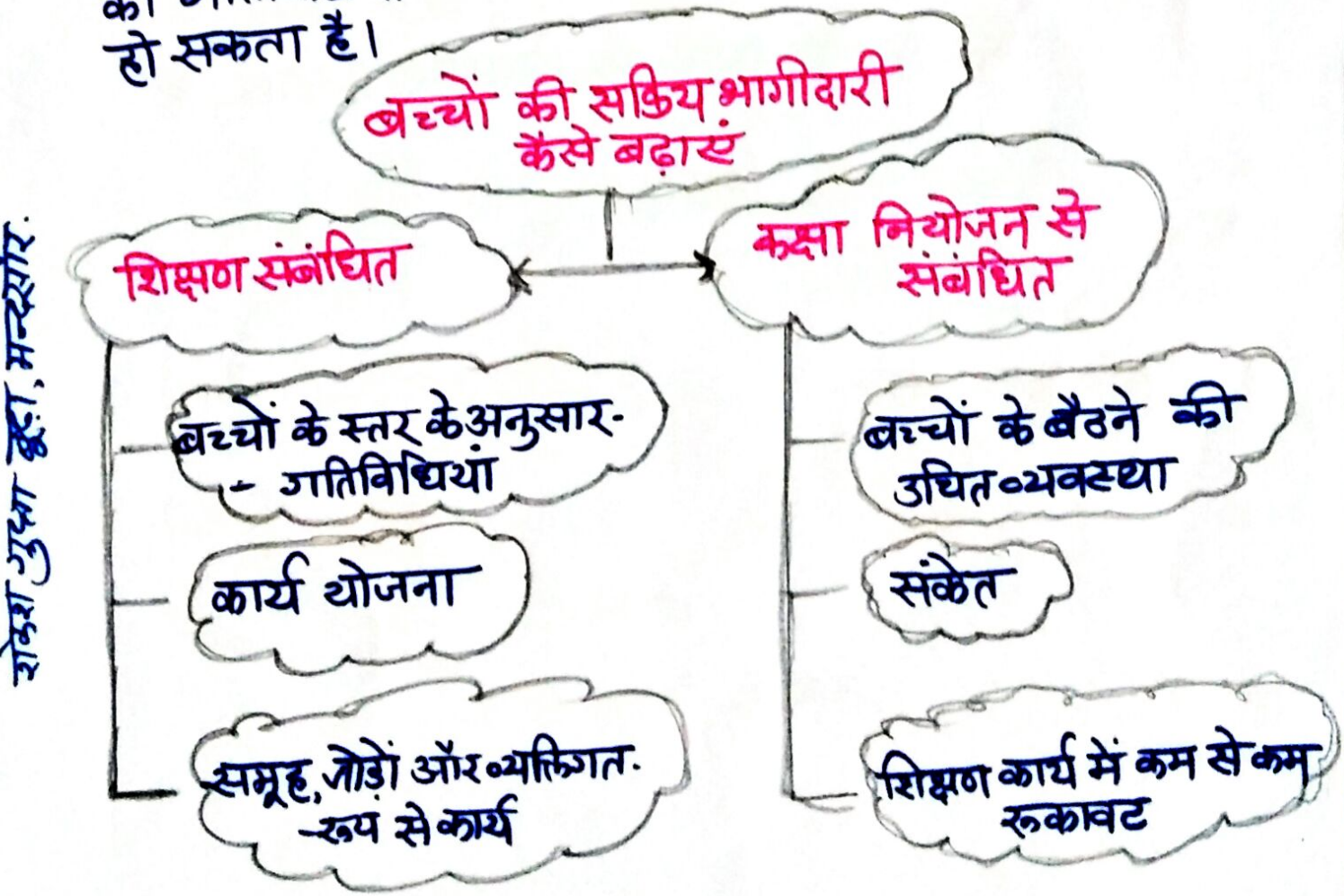

राकेश गुप्ता द्वारा, मन्दसौर.

कार्य योजना

उद्देश्य	गतिविधियाँ	सामग्री	समय	समूह/ व्यक्तिगत
•	•			
•	•			
•	•			
•	•			
•				

बैठने की व्यवस्था -

- शिक्षक सभी बच्चों को आसानी से देख पाएं।
- बच्चे एक दूसरे को देख पाएं।
- शिक्षक आसानी से कक्षा में घूम सके।

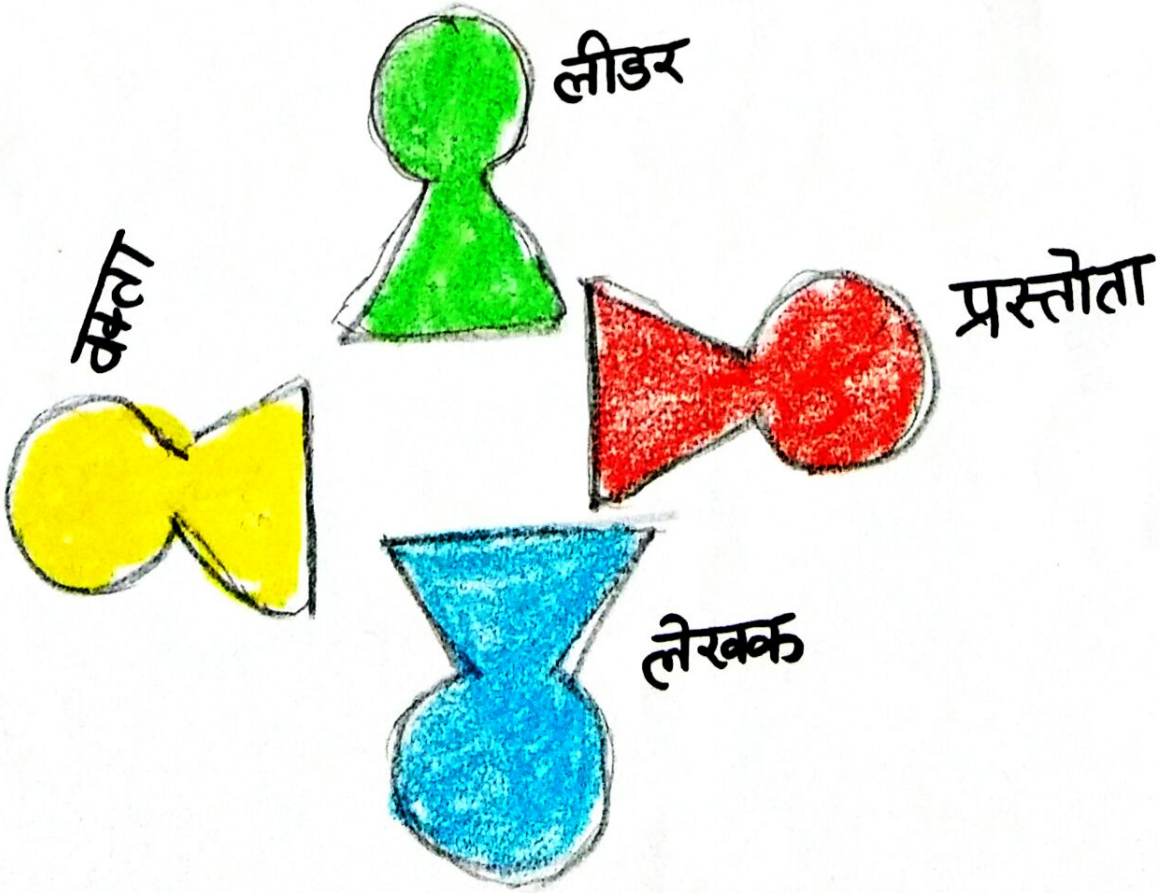

राकेश गुप्ता बूंदा मन्दसौर

- बच्चों की सक्रिय भागीदारी के लिए हम अपने शिक्षण और कक्षा नियोजन में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं।

- बच्चों के स्तर के अनुसार गतिविधियों का चयन करना।
- कार्य योजना बनाना एवं समूह में कार्य करवाना
- कक्षा में बच्चों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करके, कुछ संकेत तय करके भी कक्षा में बच्चों की भागीदारी बढ़ाई जा सकती है।

डायरी लेखन
राकेश गुप्ता
बूढ़ा, मन्दसौर.
(म.प्र.)